Jain Engineers' Society News
For Social Cause

Society Registration No. -IND/5887/2001, dtd 20.02.2002

Year : 10, Edition : 10 Indore, 20 October 2011 Page : 4 Rs. : 12/- (Yearly)

JES THOUGHT : **"Work is love made visible. And if you cannot, work with love but only with distaste, it is better that you should leave your work and sit, the gate of the temple and take alms of those who work with joy."** **Khalil Gibral**

दीपावली के शुभ अवसर पर सभी सदस्यों व पाठकों को बधाई व शुभकामनाऐं

जेस का छठा राष्ट्रीय अधिवेशन जयपुर में

दि. ११/०६/२०११ को जेस फाउण्डेशन की बैठक मे जेस का छठा राष्ट्रीय अधिवेशन जयपुर मे करने का निश्चय किया गया। इस हेतु जेस फाउण्डेशन के सचिव इंजी. राजेन्द्र सिंह जैन, इंदौर चेप्टर के अध्यक्ष इंजी. अदेश जैन, उपाध्यक्ष इंजी. निकेतन सेठी एवं इंजी. प्रदीप जैन ने जयपुर चेप्टर द्वारा भट्टारकजी की नसिया मे आयोजित दि. ०६/१०/२०११ की मीटिंग मे भाग लिया। सर्वसम्मति से दि. २७ एवं २८ जनवरी, २०१२ को जेस का छठा राष्ट्रीय अधिवेशन करने का निश्चय किया गया। इस बैठक मे जयपुर चेप्टर के ५२ सदस्य मौजूद थे। जेस फाउण्डेशन के सचिव इंजी. राजेन्द्र सिंह जैन ने पॉवर पॉईंट प्रजेन्टेशन द्वारा पिछले पांचों अधिवेशनों के फोटो बताए ताकि जयपुर अधिवेशन को और अच्छे ढंग से किया जा सके। साथ ही उन्होने बताया कि सभी अधिवेशनों मे अलग अलग थीम रखी गई थी। जिसमे इंदौर मे पर्यावरण सुरक्षा, भोपाल मे उर्जा बचत, कोटा मे जल संवर्धन, औरंगाबाद मे ग्लोबल वार्मिंग एवं उज्जैन मे वेस्ट मेनेजमेन्ट थीम रखी गई थी। जयपुर अधिवेशन की थीम अगली बैठक मे निश्चित किया जाना है। अगली बैठक दि. २३/१०/२०११ को भट्टारकजी की नसिया के ऑडिटोरियम मे रखी गई है जिसमे विभिन्न समितियों का गठन किया जायेगा एवं दि. २७ एवं २८ जनवरी, २०१२ के कार्यक्रम एवं अधिवेशन हेतु स्थान निश्चित किया जायेगा। आयोजन के अनुसार अन्य सभी चेप्टर के दम्पति सदस्य दि. २७ जनवरी, २०१२ को प्रातः ६ बजे से पहले ठहरने के स्थान पर पहुँचेगे एवं राष्ट्रीय अधिवेशन का विधिवत उद्घाटन समारोह प्रातः १०.३० से दोपहर १.३० बजे के बीच होगा एवं भोजन पश्चात प्रथम एवं द्वितीय सत्रों की सभा होगी। शाम के भोजन के पश्चात सभी चेप्टर के सदस्यो द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायेंगे। दि. २८ जनवरी, २०१२ को भ्रमण कार्यक्रम के अन्तर्गत जयपुर के मुख्य भ्रमण स्थलों के अवलोकन के साथ ही आसपास क्षेत्र के तीर्थों के दर्शन किये जायेंगे। शाम ५ बजे के बाद बाहर से आये सभी चेप्टर के सदस्य अपने अपने गंतव्य के लिये बिदा लेंगे।

जेस फाउण्डेशन के चेयरमेन इंजी. संतोष बंडी ने सभी चेप्टर सदस्यों का आव्हान किया है कि अधिक से अधिक संख्या मे सपरिवार भाग लेकर इस अधिवेशन को सफल बनावें।

इंजी. राजेन्द्र सिंह जैन सचिव
जेस इन्टरनेशनल फाउण्डेशन

जेस इंदौर चेप्टर की तपोभूमि, सेवाधाम धार्मिक एवं आई.टी.एल. इण्डस्ट्रीज की अविस्मर्णीय तकनिकी यात्रा।

२४ अगस्त, २०११ को जेस चेप्टर के सदस्य मय परिवार के तपोभूमि, सेवाधाम की धार्मिक एवं आई.टी.एल. इण्डस्ट्रीज की तकनिकी यात्रा के लिए निकले। इस यात्रा ने चेप्टर के सभी उद्देश्यों को पूरा किया जैसे धर्म, सेवा, तकनिकी ज्ञान इत्यादि।

हमेशा की तरह सभी सदस्य समवशरण मंदिर पर एकत्रित हुए। उज्जैन जाते हुए रास्ते मे भुट्टे खाए और बस मे गीत संगीत का आनंद लिया।

तपोभूमि पहुँचे तो वहां उज्जैन चेप्टर के सदस्यों ने आत्मीय स्वागत किया और मंदिर भ्रमण करवाया। बच्चों ने मंदिर के तलघर मे भरे पानी का बहुत लुत्फ उठाया। फिर गरमा गरम पोहे, जलेबी, कचोरी, चाय इत्यादि के नाश्ते का मजा कुछ और ही था। उसके बाद हमने सेवाधाम के लिये प्रस्थान किया।

पूरे दिन का सुहावना मौसम मानो हमारे द्वारा ही निर्धारित किया गया था। सेवाधाम एक जीवन का अलग पहलू दिखाता है। निःस्वार्थ भाव से सेवा किसे कहते हैं इसकी परिभाषा पहली बार समझ मे आई। ३५० अपंग लोग, अलग अलग राज्यों से अपनी अपनी अलग कहानी लिये हुए यहाँ पर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। इस भौतिकवादी युग मे सुधीर भाई जैसे निःस्वार्थ सेवाभावी को सत सत नमन। जेस यदि सेवाधाम के लिए कुछ स्वरोजगार योजना बना सके और उन्हे आत्मनिर्भर बनाने मे सहायता कर सके तो यह जेस का समाज को बहुत बड़ा योगदान होगा।

इन्फोबीन्स के श्री अविनाश सेठी ने १ लाख रुपये और जेस इंदौर चेप्टर की और से ११ हजार रुपये का आर्थिक सहयोग सेवाधाम को दिया गया। साथ ही जेस ने सेवाधाम को समय समय पर तकनिकी सहयोग और सहायता देने का वचन दिया।

इंदौर लौटने पर आई.टी.एल. इण्डस्ट्रीज मे इंजी. श्री राजेन्द्र सिंहजी जैन और उनकी टीम ने बहुत जोरदार स्वागत किया और आई.टी.एल. का भ्रमण करवाया, वहां की नवीनतम तकनिकी से अवगत करवाया। आदर्णीय बंडी साहब ने बहुत ही आसान तरीके से इतनी कठीन तकनिकी को समझाया। पूरे दिन तक नाश्ते के बाद जेस सदस्यों और उनके परिवार ने आई.टी.एल. मे बहुत स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया और इंदौर के लिए वापसी की।

यह एक अविस्मर्णीय यात्रा थी और सेवाधाम का अनुभव कही न कही एक आत्मीय बल देता है। यात्रा के आयोजन मे श्रीमती मीनू कटारिया, जितेन्द्र काला,संदीप जटाले का विशेष सहयोग रहा।

शैलेन्द्र जैन (छाबड़ा) सचिव
जेस इंदौर चेप्टर

With best Compliments from :

ITL INDUSTRIES LTD

111, Sector-B, Sanwer Road, Indore, http://www.itlind.com

India's leading Metal Cutting Solution Provider and manufacturer of ERW Tube & Pipes Production Equipments.

भोपाल चेप्टर द्वारा दिनांक १८ सितम्बर २०११ रक्तदान शिविर का आयोजन

एक नई सुबह एक नई आशा एवं नई उम्मीद, एक नई सोच, एक बार फिर आसमान छूने का प्रयास, जियो और जीवन दो के सिद्धांत को कामयाब करने की चाहत और ये विचार आत्म शुद्धि के महापर्व पर्युषण पर्व के सरोवर में स्नान करने पर ही जागृत हो सकते है।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री अशोक कुमार जैन 'मुख्य आयकर आयुक्त' (मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़) उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम की भूरी-भूरी प्रशंसा की एवं इस बात के लिए प्रेरित किया कि जैन इंजीनियर्स सोसायटी, मानव-अंग दान हेतु भी कार्यक्रम आयोजित करे। भोपाल मेमोरियल रिसर्च सेन्टर की डा. श्रीमती मनीषा श्रीवास्तव द्वारा रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला गया तथा जैन इंजीनियर्स सोसायटी द्वारा सु-व्यवस्थित व्यवस्था की गई उसके लिये भी उन्होंने प्रशंसा की। कार्यक्रम के विशेष अतिथि श्री राजकुमार पटेल (पूर्व मंत्री, मध्यप्रदेश) द्वारा अपने उद्‌बोधन में कहा कि जैन समाज, मंदिरों में बहुत दान देती है लेकिन वह सारा दान एक-तरफ और 'रक्तदान' एक तरफ, क्योंकि इस दान से दूसरों को जीवन मिलता है।

इस अवसर पर, जैन इंजीनियर्स सोसायटी द्वारा बच्चों को छात्र-वृत्ति भी दी गई।

इस रक्तदान शिविर में ज्ञानगंगा इंजी० कॉलेज, एल.एन.सी.टी इंजी. कालेज एवं बंसल इंजी. कालेज के विद्यार्थियों ने भी ब्लड डोनेट किया। साथ ही लायंस प्लेटीनम एवं रोटरी क्लब के कुछ सदस्यों ने एवं टी.टी. नगर जैन मंदिर के छात्रावास के विद्यार्थियों एवं धर्मप्रेमी बन्धुओं ने भी रक्तदान किया। इस रक्तदान शिविर में लगभग ७० रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

जैन इंजीनियर्स सोसायटी, भोपाल चेंपटर द्वारा रक्तदानकर्ता को सम्मानित किया गया तथा उन्हें प्रमाण पत्र भी दिये गये, साथ ही रक्तदानकर्ता को गैस राहत से संबंधित हॉस्पिटल, ठडम्ब द्वारा एक ब्लड डोनेशन कार्ड भी दिया गया, जिसे बताकर वे आवश्यकता होने पर उतना ब्लड प्राप्त कर सकेंगे।

रक्तदान शिविर के इस आयोजन में जैन इंजीनियर्स सोसायटी के अध्यक्ष- इंजी. शरद सेठी व पूर्व अध्यक्ष इंजी. एस.सी.सेठी, उपाध्यक्ष- इंजी. व्ही.के. जैन(ज्ञानगंगा), इंजी. शरदचंद तामोट, सोसायटी के सचिव- इंजी. अमिताभ मनयाँ, कोषाध्यक्ष- इंजी. अभय कियावत, कार्यकारिणी सदस्यगण- इंजी. महेन्द्र जैन, इंजी. पी.सी.जैन, इंजी. पावन गोयल, इंजी. मनोज जैन, इंजी. पी.के.जैन, इंजी. संजय जैन, इंजी. आर.सी. जैन, इंजी. विरेन्द्र अजमेरा, इंजी. एस.सी. जैन, इंजी. पी.के. जैन तथा महिलामंडल सदस्यों में श्रीमती विजया सेठी, श्रीमती सुमनलता, श्रीमती मंजू, श्रीमती इन्दुश्री, श्रीमती तेजूश्री, श्रीमती शोभना, श्रीमती भारती, श्रीमती कीर्ति, श्रीमती मनिमाया, श्री मती ललित मनयाँ, श्रीमती डा. निशि गोधा, डॉ. संगीता जैन, श्रीमती रश्मि जैन, श्रीमती बड़कुल एवं श्रीमती सुधा आदि उपस्थित थे।

इं जी० शरद कुमार सेठी अध्यक्ष

प्यार की प्रतिस्पर्धा

दो तितलियों मे प्यार हो गया, वे खुश-खुश साथ रहने लगीं। एक बगीचे से दूसरे बगीचे मे, एक फूल से दूसरे फूल पर चहचहाती रहतीं।

एक दिन उन दोनों ने छिपाछाई खेलने की सोंची। नर तितली ने कहा, 'चलो, हम एक छोटा सा खेल खेलते हैं'। मादा तितली ने बोला, 'ठीक है', नर ने आगे कहा, 'हममे से जो भी सुबह जल्दी इस फूल पर बैठा हुआ मिलेगा वो दूसरे को ज्यादा प्यार करता है'। मादा बोली, 'मुझे मंजूर है'।

अगले दिन सुबह नर तितली फूल के पास बैठ कर उसके खिलने का इंतजार करने लगी ताकि फूल के खुलते ही वो उस पर बैठ जाए। अंततः फूल खुला और नर तितली का हृदय कॉप गया। फूल के अन्दर मादा तितली मरी पड़ी थी। इस फूल के अंदर उसका प्यार दफन हो चुका था। मादा तितली सारी रात वहाँ रही ताकि सुबह- सुबह अपने प्यार को देखते ही वो उड़ कर उसके पास जाए और यह बताए कि वो उससे कितना प्यार करती थी।

पति और पत्नी, माता-पिता और बच्चे, सभी को एक-दूसरे से प्यार करने की प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। इससे रिश्ते और मजबूत होते हैं।

आप भी अपना प्यार अपने प्रियजनों को दर्शाने के लिए सबसे आगे रहिए।

साभार .. स्वयं उत्थान

जैन इंजीनियर्स ने शहीद भगत सिंह की जयन्ति मनाई

जैन इंजीनियर्स सोसायटी कोटा चेप्टर एवं शहीद सुभाष शर्मा समिति के तत्वावधान में अमर शहीद भगत सिंह की जयन्ति पूर्ण उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जैन इंजीनियर्स सोसायटी के अध्यक्ष अजय बाकलीवाल, सचिव प्रेमचन्द कासलीवाल, उपाध्यक्ष आर.के. जैन, सहसचिव अशोक जैन एवं शहीद सुभाष शर्मा समिति की अध्यक्षा बबीता शर्मा संगठन से जुड़े अनेक पदाधिकारियों ने घंटाघर चौराहा स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके अपने भावों को व्यक्त किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अजय बाकलीवाल ने कहा कि भारत देश को आजादी दिलाने में क्रांतिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण थी। शहीद-ए-आजम भगत सिंह ने इंकलाब जिन्दाबाद, अंग्रेजों भारत छोड़ो के अन्तर्गत देश में मुहिम चलाकर आजादी का शंखनाद किया। देशभक्तों की जयंति मनाने से हमें हमारे इतिहास की उस गौरवशाली युग की जानकारी प्राप्त होती है जिसके माध्यम से हमारे इस देश को स्वतंत्र करने के लिए ब्रिटिश साम्राज्य को विवश होना पड़ा। शहीद सुभाष शर्मा समिति की अध्यक्षा बबीता शर्मा ने क्रान्तिकारियों द्वारा देश हित में चलाई गई मुहिम की जानकारी दी। जिससे घबराकर अंग्रेज सरकार ने भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरू को असमय ही फांसी दे दी। जेस के उपाध्यक्ष आर.के. जैन ने शहीद भगत सिंह के जन्मदिन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि युवाओं को शहीद भगत सिंह से प्रेरणा लेनी चाहिए।

इस अवसर पर कार्यक्रम में नरेश जैन वैद, कन्हैयालाल, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. संजय धाकड़, डॉ. पुरूषोत्तम नागर एवं श्रीमती उषा बाकलीवाल सहित अनेक पदाधिकारियों ने आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया।

इंजी. अजय बाकलीवाल (अध्यक्ष) - कोटा चेप्टर

जैन आचार्य जयमल पर डाक टिकिट जारी

भारत सरकार के डाक विभाग की ओर से प्रसिद्ध जैन आचार्य जयमल पर ५ रुपये का स्मारक डाक टिकिट दिनांक २५ सितम्बर २०११ रविवार को जारी किया गया। जिससे जैन समाज में हर्ष की लहर व्याप्त हो गई।

श्रमण संघीय सलाहकार दिनेश मुनि के अनुसार मूलतः राजस्थान के मेडता शहर के सन्निकट लाम्बिया ग्राम में वि. सं. १७६५ भाद्रपद शुक्ला त्रयोदशी को जन्मे आचार्य जयमल घोरतपस्वी, निद्राविजेता एवं एकभवावतारी थे। उनके सहज एवं अति सरल व्यक्तित्व से जो भी उनके संपर्क में आया वह प्रभावित हुए बिना नहीं रहा। समाज को आचार्य जयमल की सबसे बडी देन यह है कि ७०० भव्यात्माओं को दीक्षा प्रदान की थी।

सलाहकार दिनेश मुनि ने कहा कि राजस्थान ने साहित्य, संस्कृति एवं अध्यात्म के क्षेत्र में कई विभूतियों को जन्म दिया किंतु धर्मप्रभावना के क्षेत्र में आचार्य जयमल अकेले ऐसे संतरत्न थे जिन्होनें ८ दिन तक निराहार रहते हुए बीकानेर में ५०० यतियों को चर्चा में परास्त कर जैन धर्म की प्रभावना की। वि. सं. १७८८ मार्गशीर्ष कृष्णा द्वितीया को मेडता सिटी में आचार्य भूधर से दीक्षामंत्र अंगीकार किया। अपना सम्पूर्ण जीवन समाज सेवा और तपस्या में बिताया १६ वर्ष एकान्तर तप की साधना, १६ वर्ष बेले - बेले तप, २० मासखमण तप, १० द्विमासखमण तप, ४० अठाई तप व मुख्यतः ६० दिवस अभिग्रहयुक्त तपस्या इत्यादि करके पूरे विश्व में श्रद्धा के केन्द्र बन गए। वि. सं. १८०५ को आचार्य पद पर आसीन होकर समाज को नई उचाईयां प्रदान की।

५० वर्ष तक आडा आसन नहीं करने वाले आचार्य जयमल ३१ दिवसीय संथारें के साथ वि. सं. १८५३ वैशाख शुक्ला चौदस को नागौर में महाप्रयाण हुआ।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष जैन समाज के गौरवशील महापुरुषों में दिनांक : ३० अप्रैल २०११ को प्रथम स्थानकवासी जैन साध्वी उमराव कुंवर अर्चना व ६ जुलाई को वैज्ञानिक डॉ. डी. एस. कोठारी पर डाक टिकिट जारी हुए हैं।

Engineer vs Top Management

A woman in a hot air balloon realized she was lost. She reduced altitude and spotted a man below. She descended a bit more and shouted, "Excuse me Sir, can you help me? I promised a friend, I would meet him an hour ago but I don't know where I am."

The man below replied, "You're in a hot air balloon hovering approximately 30 feet above the ground. You're between 40 and 41 degrees north latitude and between 59 and 60 degrees west longitude."

"You must be an engineer," said the lady balloonist.

"I am", replied the man. 'How did you know?

"Well", answered the lady in the balloon, "everything you told me is technically correct, but I have no idea what to make of your information, and the fact is I'm still lost. Frankly, you've not been much help to me at all. If anything, you've delayed my trip even more."

The engineer below responded, "You must be in Top Management."

"I am", replied the lady balloonist, "but, how did you know?"

"Well," said the Engineer, You don't know where you are or where you're going. You made a promise, which you've no idea how to keep and you expect people beneath you, to solve your problems!!!"

Er Arun Jain, Indore

Nandan Nilekani's dream - how the national ID card will work....!!!

Operator : "Thank you for calling Pizza Hut . May I have your..."
Customer: "Heloo, can I order.."
Operator : "Can I have your multi purpose ID card number first, Sir?"
Customer: "It's he..., hold.....on.....889861356102049998-45-54610"
Operator : "OK... You're... Mr Singh and you're calling from 17 Jal Vayu.....
Your home number is 2x26xxxx, your office 250xxxxx and your mobile is 09xxxxxxxx. Which number are you calling from now Sir?"
Customer: "Home! How did you get all my phone numbers?
Operator : "We are connected to the system Sir"
Customer: "May I order your Seafood Pizza..."
Operator : "That's not a good idea Sir"
Customer: "How come?"
Operator : "According to your medical records, you have high blood pressure and even higher cholesterol level Sir"
Customer: "What?... What do you recommend then?"
Operator : "Try our Low Fat Pizza. You'll like it"
Customer: "How do you know for sure?"
Operator : "You borrowed a book entitled "Popular Dishes" from the National Library last week Sir"
Customer: "OK I give up... Give me three family size ones then, how much will that cost?"
Operator : "That should be enough for your family of 05, Sir. The total is Rs 500.00"
Customer: "Can I pay by! Credit card?"
Operator : "I'm afraid you have to pay us cash, Sir. Your credit card is over the limit and you owe your bank Rs 23,000.75 since October last year. That's not including the late payment charges on your housing loan, Sir.."
Customer: "I guess I have to run to the neighbourhood ATM and withdraw some cash before your guy arrives"
Operator : "You can't Sir. Based on the records, you've reached your daily limit on machine withdrawal today"
Customer: "Never mind just send the pizzas, I'll have the cash ready. How long is it gonna take anyway?"
Operator : "About 45 minutes Sir, but if you can't wait you can always come and collect it on your Nano Car..."
Customer: " What!"
Operator : "According to the details in system ,you own a Nano car,...registration number GZ-05-AB-1107.."
Customer: " ?"
Operator : "Is there anything else Sir?"
Customer: "Nothing... By the way... Aren't you giving me that 3 free bottles of cola as advertised?"
Operator : "We normally would Sir, but based on your records you're also diabetic..... "
Customer: #$$^%&$@$%
Operator : "Better watch your language Sir.. Remember on 15th July 2010 you were convicted of using abusive language on a policeman...?"
Customer: {Faints}.....!!!

Er Parag Jain, Indore

Car lock - do it from the door control not by remote.

How to Lock Your Car and Why.

I locked my car. As I walked away I heard my car door unlock. I went back and locked my car again three times .. Each time, as soon as I started to walk away, I would hear it unlock again!! Naturally alarmed, I looked around and there were two guys sitting in a car in the fire lane next to the store. They were obviously watching me intently, and there was no doubt they were somehow involved in this very weird situation. I quickly chucked the errand I was on, jumped in my car and sped away. I went straight to the police station, told them what had happened, and found out I was part of a new, and very successful, scheme being used to gain entry into cars. Two weeks later, my friend's son had a similar happening....

While traveling, my friend's son stopped at a roadside rest to use the bathroom. When he came out to his car less than 4-5 minutes later, someone had gotten into his car and stolen his cell phone, laptop computer, GPS navigator, briefcase.....you name it. He called the police and since there were no signs of his car being broken into, the police told him he had been a victim of the latest robbery tactic -- there is a device that robbers are using now to clone your security code when you lock your doors on your car using your key-chain locking device..

They sit a distance away and watch for their next victim. They know you are going inside of the store, restaurant, or bathroom and that they now have a few minutes to steal and run. The police officer said to manually lock your car door-by hitting the lock button inside the car -- that way if there is someone sitting in a parking lot watching for their next victim, it will not be you.

When you hit the lock button on your car upon exiting, it does not send the security code, but if you walk away and use the door lock on your key chain, it sends the code through the airwaves where it can be instantly stolen. This is very real.

Be wisely aware of what you just read and please pass this note on. Look how many times we all lock our doors with our remote just to be sure we remembered to lock them -- and bingo, someone has our code...and whatever was in our car.

Note: The receiving device is known as a "Spectrum Analyzer" and the signal can be recorded and played back to unlock the car door. True!

Er Lalit Sanghavi Mumbai

Answer of Puzzle Point # 10 : "Check & Mate"

Puzzle Point # 10 : Write 271 as the sum of positive real numbers so as to maximize their product.

Answer : Take 100 numbers as 2.71,
So sum of all : 2.71 + 2.71 +...+ 2.71 (100 times) = 271.
Now, find their product of 2.71 X 2.71 X ...X 2.71 (100 Times) using either calculator or excel sheet.
(If you take any other numbers then answer will be less than above product.)
Correct answer is received only from one participant.

Puzzle Point # 10 : Names are displayed in order of answer received.

Sr. No.	Name of Participants	Global ID No.	City
1	Prashant Shah	101092	Bharuch

Pl. write your Name, G.ID No., Organization, City, etc. while sending your answer. Such details will help us to identify you and compilation of correct participants for displaying their name.

Congratulations to Shri Prashant Shah who has solved Puzzle Point # 10 successfully.

Puzzle Point # 11
Date : 20/10/2011

Jain Engineers Society News
Puzzle Master : Er. M P Shah, GNFC, Bharuch, Gujarat.

Fetch 2 Match

In socks drawer of your wardrobe, you have many socks in a ratio of 5 pairs of blue colour, 4 pairs of brown colour & 6 pairs of black colour.

Maximum, how many socks would you need to draw out to get a pair of the same colour in complete darkness?

Send answer to cmpshah@gmail.com (Bt 07/11/11)

A TRIBUTE TO THE MOST OUTSTANDING ENGINEER SIR MOKSHAGUNDAM VISVESVARAYA ON ENGINEERS' DAY

Dear All,

In remembrance of Sir Mokshagundam Visvesvaraya, the most outstanding Engineer of all times, the Engineering fraternity of India celebrates World Engineers Day every year on 15th of September. It was this day 147 years ago that this great contributor was born.

He is known to be the greatest engineers of all times, with his vision and dedication in the field of engineering made some exceptional contributions to India. Owing to his contribution, he was honored with the highest state award of India "The Bharat Ratna" in the year 1955. Some of the contributions of Sir Mokshagundam Visvesvaraya are :

As an Engineer par excellence

·He was the Chief Engineer during the construction of Krishna Sagar Dam on the Kavery River.

·Many dams built by him in Bombay are still functional till today.

·Sri Jayachamaraja Polytechnic Institute of Bangalore was built on the recommendation of sir VM.

·The Block System was invented by him, which was a system of automated doors that closed in the conditions of overflow.

·Krishnarajasagara Dam is still praised by everybody witnessing it.

·Mysore University, which is a matter of great proud for the people of Mysore, was established because of his will and conviction.

As a Human Being

·Punctuality : He was very famous for his punctuality, He was never late even by a minute and expected his people also to realize the importance of time.

·Perfectionist : There are many examples to show that even a little task that he took up, always completed to perfection. Even if it was to deliver a speech, he would think in advance, write and rehearse no. of times.

·Fitness : Even at the age of 92, he was never dependent on comforts; he would not only walk by himself, but, take full participation in all proceedings.

·Dedication to work: Nothing was able to deter sir, from his commitment to good work, his work was his worship.

He once said:

"Remember, your work may be only to sweep a railway crossing, but it is your duty to keep it so clean that no other crossing in the world is as clean as yours"

Manoj Patni
JESA- Aurangabad

Give when you are alive--

Let me tell you a little story of a rich Goan landlord who once asked his parish priest-- 'Why does everybody call me stingy when everyone knows that when I die I will leave everything I have to this church?'

The priest said; 'There once was a pig and a cow in this village. The pig was unpopular and the cow was loved by all in the village. This puzzled the pig. The pig said to the cow, 'people speak warmly of your good nature and your helpful attitude. They think you are very generous because each day you give them milk, butter and cheese. But what about me ? I give them everything I have. I give them the famous Goa sausages, bacon and ham. I also provide ingredients for mouth-watering sorpotel. Yet no one likes me. Why is that?'

The priest continued:' Do you know what the cow answered?'

]The Cow said, ' Perhaps it's because I give while I am still living.'

Er Niketan Sethi Indore

Free Membership of Jain Engineers' Society

For Noble cause join Jain Engineers Society . Get free copy of this news letter every month .All sect of Jain Engineers and Diploma Holders can apply on line at www.jainengineerssociety.com or post your application giving Name, Fathers name, spouse name, DOB, and full local address and permanent address with phone and E mail. You can open local Chapters in your City / Town, contact Secretary General JES Foundation atjainengineers@eth.net or post to 144 Kanchan Bag Indore 452002

LOCAL CHAPTERS

INTERNATIONAL FOUNDATION INDORE CHAPTER, BHOPAL CHAPTER, KOTA CHAPTER, UJJAIN CHAPTER, JAIPUR CHAPTER, SAGAR CHAPTER, HARIDWAR CHAPTER, SANGLI CHAPTER, KANPUR CHAPTER. VIDISHA CHAPTER, MUMBAI CHAPTER, NAGPUR CHAPTER, DELHI CHAPTER, AURANGABAD, BANGLORE CHEPTER

NEW CHAPTERS

JODHPUR CHAPTER, JHANSI CHAPTER, BHILWARA CHAPTER, AJMER CHAPTER, GWALIOR CHAPTERS, AGRA CHAPTER, AHEMDNAGAR CHAPTER NASIK CHAPTER, WASIM CHAPTER, SURAT CHAPTER

इस पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों, संकलन एव विचारों के लिए लेखक/प्रेषक/संकलनकर्ता स्वयं उत्तरदायी है, सम्पादक एवं सम्पादक मण्डल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। पत्रव्यवहार के लिए पता– जैन इंजीनियर्स सोसायटी, मनोप्रेम 144, कंचन बाग, इन्दौर-452002 (भारत)
फोन: 0731-3044602 E-mail-jainengineers@eth.net, Website- www.jainengineerssociety.com

BOOK-POST
PRINTED MATTER

RNI : MPBIL/2004/13588
डाक पंजी. क्रं आयडीसी/डिवीजन/1130/2009-12

TO,

If undelivered, please return to :
Jain Engineers' Society,144, Kanchan Bagh, Indore 452001 (M.P.)

Owned & Published by Rajendra Singh Jain From 144, Kanchan Bagh, Indore (M.P.) & Printed by Nirmal Graphics Press, 340, Nayapura, Indore (M.P.)
Editor - Er. Rajendra Singh Jain